BA-III (H) (1)

मैथिली प्रतिष्ठा
पत्र - पाँच
मैथिली साहित्य इतिहास

प्रो० रंजीत कुमार राम
अतिथि व्याख्याता
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (L.N.M.U)

ज्योतिरीश्वर ठाकुरक परिचय:

ज्योतिरीश्वर ठाकुरक जन्म. संस्कृत प्रहसन ओहि विवरण मे ज्योतिरीश्वर अपन जन्मस्थान 'पल्ली' कहलैत छथि जे महाशासन प्रणीत शिरवर पर छल। ई महाशासन ओझा आदि के परगना' कहाबए लागल ई परवर्ती पैघ गामक रूप मे मधुबनी जिलाक बेनीपट्टी थाना मे विद्यापति स्थान /बिसफी सँ लगभग 10km उत्तर-पश्चिम मे अछि। पालीगाम। हिनकर जन्म 1290 ई० मधुबनी जिलाक पालीगाम मे भेल। ज्योतिरीश्वर पारिवारिक उपाधि - ठाकुर, पिताक नाम धीरेश्वर ठाकुर, पितामहक नाम - रामेश्वर ठाकुर, सा साहित्यिक उपाधियुक्त नाम - ज्योति व ज्योतिरीश्वर, कविशेखर, कविशेखराचार्य आदि। ज्योतिरीश्वरक ख्याति संस्कृत

प्रकाश विज्ञान रूपमे सेहो अछि। वर्णरत्नाकर
के पछिनहि ज्योतिरीश्वरक संस्कृत भाषा में लिखल
'धूर्तसमागम' प्रहसन (नाटक) 'पञ्चसायक' प्रसिद्ध
छल। एहि दुनू ग्रन्थ मे ओ अपन नाम
उपाधि सहित लिखने छथि। धूर्तसमागमक अनु-
वाद अन्य भाषा सभ मे सेहो भेल अछि। एकर
अतिरिक्त मनमोहन चक्रवर्ती ज्योतिरीश्वर रचित 'रंगशेखर' नामक एक अन्य ग्रन्थक चर्चा
करने छथि। 'पंचसायक' सं ज्ञात होइत अछि
जे ज्योतिरीश्वर कामशास्त्र तथा संगीतक पूर्ण
मर्मज्ञ छलाह। हिनक परिचय एहि श्लोक
सँ भेटैत अछि - आसीत प्रत्यहमर्चिता ब्रह्मणः
कल्पौघ दीर्घायुषः श्री कण्ठार्चन तत्परो गुणि
चतुः षष्ठ कलानां निधिः संगीतागम सत्प्रमेय
रचना चातुर्य चूडामणिः ख्यातः श्री कविशेखरा-
र्पित पदः श्री ज्योतिरीश्वरः कविः। पंचसायक के
तृतीय सायकक अन्तमे कविशेखर ज्योतिरीश्वर
चतुर्थ सायकक अन्तमे 'ज्योतिरीश्वर' पंचक
आ षष्ठ सायकक अन्त मे कवि शेखर ज्योति-
रीश्वर आ सप्त सायकक अन्तमे मात्र

(3)

'कविशेखराचार्य', उल्लिखित अछि। वर्णरत्नाकर क प्रत्येक कल्लोलक अंतिम श्लोक मे 'कविशेखर' मात्र उल्लिखित अछि। अहि सँ स्पष्ट अछि जे हुनक उपाधि 'कविशेखर' छल। तात्पर्य जे नाम ज्योतिरीश्वर अछि। डॉ० जयकान्त मिश्र अनुसार - There is no positive evidence to prove that Jyotirisvara was the cousin-brother of Vidyapati's grand father, except that the two were probably contemporaries at the Court of narasimha II."

Sarangi
13/05